

शशितनय पुं. (तत्.) चंद्रमा का पुत्र, बुध ग्रह।

शशिदंत पुं. (तत्.) चर्वण, दंत-जुगाली करने वाले (गाय-भैंस) आदि शाकाहारी जानवरों में पाए जाने वाले दाँत।

शशिदैव पुं. (तत्.) मृगशिरा नक्षत्र, जिसका स्वामी चंद्रमा कहा जाता है।

शशिधर पुं. (तत्.) शिव वि. चंद्रमा को धारण करने वाला।

शशिपर्ण पुं. (तत्.) परवल।

शशिपोषक पुं. (तत्.) शुक्ल पक्ष, जिसमें चंद्रमा वृद्धि को प्राप्त करता है।

शशिप्रभ पुं. (तत्.) मोती, कुमुद वि. चंद्रमा की कांति, शोभा वाला।

शशिप्रभा स्त्री. (तत्.) चंद्रमा की प्रभा, ज्योत्स्ना, चाँदनी, चंद्रमा का प्रकाश।

शशिप्रिय पुं. (तत्.) मोती, कुमुद वि. चंद्रमा को प्रिय।

शशिप्रिया स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा की पत्नी 2. सत्ताईस नक्षत्र-पुराणों में सभी नक्षत्र चंद्रमा की पत्नियों के रूप में वर्णित हैं, रोहिणी नक्षत्र चंद्रमा को सबसे अधिक प्रिय है।

शशिभाल पुं. (तत्.) शिव का एक नाम।

शशिभूषण पुं. (तत्.) शिव।

शशिमंडल पुं. (तत्.) चंद्रमा का घेरा अथवा मंडल, चंद्रमंडल।

शशिमणि पुं. (तत्.) चंद्रकांत मणि।

शशिमुख वि. (तत्.) चंद्रमा के समान मुख वाला।

शशिमुखी स्त्री. (तत्.) चंद्रमा के समान मुख वाली।

शशिमौली पुं. (तत्.) चंद्रमा को सिर पर धारण करने वाला, शिव।

शशिरस पुं. (तत्.) अमृत, सुधा।

शशिरेखा स्त्री. (तत्.) चंद्रमा की कला, शशिलेखा, शुक्ल पक्ष की द्वितीया का चंद्रमा।

शशिलेखा स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा की एक कला, चंद्ररेखा 2. एक वर्णवृत्त 3. गुडुची नामक वनस्पति, गिलोय 4. बकुची।

शशिवदना स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा के समान सुंदर मुखवाली 2. एक समवर्णिक छंद।

शशिशाला स्त्री. (तत्.) शीशमहल।

शशिशेखर पुं. (तत्.) चंद्रमा को सिर पर धारण करने वाला, शिव।

शशिशोषक पुं. (तत्.) कृष्णपक्ष।

शशिसुत पुं. (तत्.) चंद्रमा का पुत्र, बुध ग्रह।

शशी पुं. (तत्.) दे. शशि।

शशीकर पुं. (तत्.) दे. शशिकर।

शशीश पुं. (तत्.) चंद्रमा का स्वामी, शिव।

शशोपंज पुं. (फा.) 1. उधेड़बुन, दुविधा 2. सोचविचार 3. संकोच, हिचकिचाहट।

शष्कुल पुं. (तत्.) आयु. करंज, एक वनस्पति जिसके फलों से औषधि बनती है।

शष्कुली स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार की पकी हुई रोटी 2. चावल की कांजी 3. कान का विवर, छेद 4. कान का रोग 5. सौरी मछली, मछली का एक प्रकार।

शष्प पुं. (तत्.) 1. नया घास, बाल तृण 2. प्रतिभा का क्षय 3. उपस्थ के बाल।

शसन पुं. (तत्.) 1. वध करना, मार डालना 2. यज्ञ में पशु आदि की बलि।

शस्त पुं. (तत्.) 1. कल्याण, आनंद, सुख 2. श्रेष्ठ, मांगलिक, उत्तम, सर्वोत्तम 3. शरीर 4. घायल, क्षतिग्रस्त 5. अंगुलित्राण वि. 1. स्तुति किया गया, प्रशंसा किया गया।

शस्तक पुं. (तत्.) अंगुलित्राण, दस्ताना।

शस्ति स्त्री. (तत्.) प्रशंसा, स्तुति।